सूचना तकनीक से बदल रहे हैं गांव

जयपुरिया संस्थान में संगोष्ठी

संवाद सूत्र

लखनऊ, 18 अगस्त। भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी गांव देहात में रहता है लेकिन अब गांवों में भी सूचना प्रसार के नये-नये तरीके पहुंच रहे है। यही कारण है कि लोकवाणी जैसा हाल ही में शुरू किया गया कार्यक्रम गांवों में भी अपनी जड़ें जमा चुका है।

ये बातें आज फैजाबाद के जिलाधिकारी आमोद कुमार ने जयपुरिया प्रबंध संस्थान में मैनेजिरियल चैलेंज के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ई गवर्नेस विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान कही। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य की शुरूआत के लिए जरूरी है कि उस कार्य के विषय मे आपको पूरी जानकारी हो। साथ ही उससे प्राप्त होने वाली प्रतिक्रिया के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरूआत में जब लोकवाणी कार्यक्रम शुरू करने का प्रयास हुआ तो कई प्रकार की मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आयी। लोगों ने पहले ही कार्यक्रम की सफलता पर प्रश्नचिन्ह लगाने शुरू कर दिये। लेकिन कुशल प्रबंधन और आत्मविश्वास केसाथ शुरू किया गया कार्यक्रम सफल रहा। गांव-देहात के जो लोग अपनी शिकायत पर कार्यवाही जानने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाते थे वह अब लोकवाणी के माध्यम से अपनी शिकायत पर की जाने वाली कार्यवाही जान सकते हैं। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ की गयी। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक एस चक्रवर्ती ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिलाधिकारी आमोद कुमार (दाहिने) को सुनने बैठे जयपुरिया प्रबन्ध संस्थान के विद्यार्थी